शिव शंकर चले कैलाश | By Shubham Sharma |

शिव शंकर चले कैलाश
की बुंदिया पड़ने लगी
पड़ने लगी बुंदिया पड़ने लगी
शिव शंकर चले कैलाश
की बुंदिया पड़ने लगी
भोले बाबा चले कैलाश
बुंदिया पड़ने लगी

गौरा जी ने सींच गई
हरी-हरी मेहंदी
भोले बाबा ने सींच गई भांग
बुंदिया पड़ने लगी
शिव शंकर चले कैलाश
की बुंदिया पड़ने लगी

गौरा जी ने काट लाई
हरी-हरी मेहंदी
भोले बाबा ने काट लाई भांग
बुंदिया पड़ने लगी
शिव शंकर चले कैलाश
की बुंदिया पड़ने लगी

गौरा जी ने पीस लाई
हरी-हरी मेहंदी
भोले बाबा ने घोट गई भांग
बुंदिया पड़ने लगी
शिव शंकर चले कैलाश
की बुंदिया पड़ने लगी

गौरा जी की रच गई
हरी-हरी मेहंदी
भोले बाबा को चढ़ गई भांग
बुंदिया पड़ने लगी
शिव शंकर चले कैलाश
की बुंदिया पड़ने लगी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b6-by-shubham-sharma/